अत: सरकार से मेरी मांग है कि भोजपुर के जगदीशपुर के हेतमपुर में केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार कानूनी स्वीकृति प्रदान करे और शीघ्रातिशीघ्र इस सम्बन्ध में केन्द्रीय टीम भेजकर सर्वे कराया जाए। सरकार का यह कदम इस क्षेत्र के लाखों-करोड़ों कृषि आश्रित गरीब परिवार के बच्चों को समुचित उच्च शिक्षा मुहैया कराने की दिशा में सराहनीय कदम होगा। धन्यवाद।

[उपसभाध्यक्ष (श्रीमती रेणुका चौधरी) पीठीसीन हुईं]

Demand to give reasonable amount of salary to the Imam of Masjid-e-Taj

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान एक ऐसी सच्ची दास्तान की जानिब दिलाना चाहता हूँ, जिसको सुनकर न केवल सरकार बल्कि हिन्दुस्तान की यह महान संसद भी हैरत करेगी।

महोदया, इतिहास से सम्बन्धित इमारतें और लोग एक शोध का विषय होते हैं। पूरी दुनिया में हिन्दुस्तानी कला और मोहब्बत की पाकीजा दास्तान बनकर जो दुनिया वालों को हिन्दुस्तान में बुलाती है, उस इमारत का नाम ताजमहल है।

माननीय महोदया, 1648 में ताज के निर्माण के साथ ही मस्जिद-ए-ताज बनाई गई थी, जो आज भी ताज परिसर में स्थित है। इसमें नमाज अदा कराने वाले इमामे मस्जिद भी पीढ़ियों से आज तक नमाज अदा कराने की जिम्मेदारी निभाते चले आ रहे हैं, लेकिन पूरे सदन को हैरत होगी कि केन्द्र सरकार की ओर से मस्जिदे ताज के इमाम को सिर्फ 50 पैसे रोज, यानी 15 रूपये महीना मानदेय दिया जाता है, जो यकीनन एक जानवर की एक दिन की खुराक से भी कम है।

महोदया, मैं सारी दुनिया के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करके 50 करोड़ रूपये से अधिक कमाकर देश को देने वाले बुजुर्ग ताज की मस्जिद के इमाम को तत्काल सम्मानजनक तनख्वाह देने का केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूँ।

महोदया, ताज दुनिया का पहला अजूबा हो गया है और इससे जुड़ी हुई हर एक दास्तान दुनिया तक जाती है, इसलिए मैं अपने देश की मानवता, संवेदनशीलता और न्याय का ऐलान करने वाली सरकार से इमामे ताज मस्जिद के लिए एक बार फिर जिन्दगी गुजारने लायक तनख्वाह की अपील करता हूँ।

† **چودھری منوّر سلیم (اتر پردیش):** مانّئے اپ سبھا ادھیکش مہودیہ، میں آپ کے مادّھیم سے بھارت سرکار کا دھیان ایک ایسی سچی داستان کی جانب دلانا چاہتا ہوں، جس کو سن کر نہ صرف سرکار بلکہ ہندوستان کی یہ مہان سنسد بھی حیرت کرے گی-

مہودیہ، اتہاس سے سمبندھت عمارتیں اور لوگ، شودھہ کا وشئے ہوتے ہیں- پوری دنیا میں ہندوستانی کلا اور محبت کی پاکیزہ داستان بن کر جو ہندوستان میں دنیا والوں کو بلاتی ہے، اس عمارت کا نام 'تاج محل' ہے-

مانّئے مہودیہ، 1648 میں تاج کے نرمان کے ساتھہ ہی مسجد تاج بنائی گئی تھی، جو آج بھی تاج پربسر میں استھت ہے- اس میں نماز ادا کرانے والے امام مسجد بھی پیڑھیوں سے آج تک نماز ادا کرانے کی ذمہ داری نبھاتے چلے آ رہے ہیں، لیکن پورے سدن کو حیرت ہوگی کہ کیندر سرکار کی اور سے مسجد تاج کے امام کو صرف 50 پیسے روز، یعنی 15 روپے مہینہ مانذئے دیا جاتا ہے، جو یقینا ایک جانور کی ایک دن کی خوراک سے بھی کم ہے-

مہودیہ، میں ساری دنیا کے لوگوں کو اپنی اور آکرشت کرکے 50 کروڑ روپے سے زیادہ کما کر دیش کو دینے والے بزرگ، تاج کی مسجد کے امام کو تتکال سمّان-جنک تنخواہ دینے کا کیندر سرکار سے انورودھہ کرتا ہوں-

مہودیہ، تاج دنیا کا پہلا عجوبہ ہو گیا ہے اور اس سے جڑی ہوئی ہر ایک داستان دنیا تک جاتی ہے، اس لئے میں اپنے دیش کی مانوتا، سنویدنشیلتا اور نیائے کا اعلان کرنے والی سرکار سے امام تاج مسجد کے لئے ایک بار پھر زندگی گزارنے لائق تنخواہ کی اپیل کرتا ہوں-

(ختم شد)

Demand to amend the rules pertaining to cut off date for registration of names in electoral rolls

श्री भरतसिंह प्रभातसिंह परमार (गुजरात:) आदरणीय उपसभाध्यक्ष महोदया, आज मैं आपका ध्यान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। इस अधिनियम के अनुच्छेद 14(डी) में 18 वर्ष की आयु के व्यक्ति को पहली बार मतदाता के रूप में पंजीकृत करने की प्रक्रिया की अन्तिम तिथि, कट-ऑफ-डेट का निर्देश दिया गया है। यहां अन्तिम तिथि का अर्थ मतदाता सूची के बनने अथवा संशोधित किये जाने के वर्ष के जनवरी माह की पहली तारीख से है। इन्हीं निर्देशों के कारण भारत के लाखों युवा 18 साल की आयु को प्राप्त करने पर भी मतदान करने के अपने मूलभूत अधिकार से वंचित रह जाते हैं। चुनाव आयोग चुनाव से एक महीने पहले मतदाता सूची जारी करता है, जिसमें उन्हीं व्यक्तियों के नाम शामिल होते हैं, जो कि चुनाव के वर्ष के जनवरी माह की पहली तारीख को 18 वर्ष की आयु को प्राप्त कर चुके हैं। अगर कोई व्यक्ति जनवरी माह की दूसरी तारीख को 18 वर्ष की आयु को प्राप्त होता है, तो वह व्यक्ति मतदान करने को अधिकारी नहीं रहता। संविधान

† Transliteration in Urdu script.